॥ श्री ॥

सागरधर्मामृत

SAAGARADHARMAAMRITA

आशाधर · १३वीं शती · अभिलेख ६३/९०

आशाधर

संक्षिप्त परिचय

पं. आशाधर कृत धर्मामृत का गृहस्थ-भाग — सागार (गृहस्थ) के व्रत-आचरण का शास्त्रीय निरूपण, स्वोपज्ञ टीकाओं सहित।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

सागरधर्मामृत — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ६३ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता आशाधर; रचना-काल १३वीं शती (लगभग)। इसी लेखनी से अनगारधर्मामृत, श्रावकाचार, महाभिषेक, जिनयज्ञकल्प, धर्मामृत भी इस सूची में सम्मिलित हैं।

इसी लेखनी से

अनगारधर्मामृत · श्रावकाचार · महाभिषेक · जिनयज्ञकल्प · धर्मामृत

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ६३ — मूल छायाचित्र

← परीक्षामुखवृत्ति

अनगारधर्मामृत →